

# समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा 244545 पार



## बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है

हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

**भास्कर न्यूज ब्यूरो**  
गुरुग्राम। मंगलवार को राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदमंडागर, संदीप सिंगल, भीम जेवर महल वाले, राकेश गोसाईं आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति बोधराज सीकरी ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी,



गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया।

बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता वह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है।

# पंजाब केसरी

— www.PunjabKesari.com —

## हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए है संजीवनी : सीकरी

गुरुग्राम, (पंजाब केसरी) : सैक्टर 15 पार्ट वन स्थित श्रीरधा कृष्ण मंदिर में मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर समिति के प्रधान विनय मंगला, उप प्रधान राज यादव, महामंत्री राजेश गर्ग और राजेश गर्ग, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीमसेन, राकेश गोसाई आदि ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने संगीतय शैली में हनुमान चालीसा का पाठ कराया। मुहिम के संयोजक व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने लोगों को विशेषकर युवाओं को संस्कारवान बनने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु



ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि की कि चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति

अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा कि पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके कारण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले।

# हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही, आंकड़ा हुआ 244545 के पार

गुड़गांव, 26 जुलाई (ब्यूरो): राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट-1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के

लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर

हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा,

प्रधान विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम् डागर, संदीप सिंगल, भीम जेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का



राधा कृष्ण मंदिर सैक्टर-15 में हनुमान चालीसा के लिए पहुंचे श्रद्धालु।

सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।

गजेंद्र गोसाई, बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर

अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।

सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया।

हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है।

इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि

और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं।

# गुरुग्राम केसरी

Punjab Kesari, Delhi 27 जुलाई 2023, गुरुवार

## हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी : बोधराज सीकरी



गुरुग्राम (एमके अरोड़ा): सैक्टर 15 पार्ट वन स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर में मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर समिति के प्रधान विनय मंगला, उप प्रधान राज यादव, महामंत्री राजेश गर्ग और राजेश गर्ग, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीमसेन, राकेश गोसाईं आदि ने भाग लिया। गजेन्द्र गोसाईं ने संगीतय शैली में हनुमान चालीसा का पाठ कराया। मुहिम के संयोजक व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने लोगों को विशेषकर युवाओं को संस्कारवान बनने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यो लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यो लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि की कि चालीस चौपाई का क्यो अभिप्राय है। इस अवसर पर आदित्य राय, आयुर्वेदाचार्य डा. परमेश्वर अरोड़ा, तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट्स के डायरेक्टर ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी बिरादरी महासंगठन के फाउंडर ट्रस्टी संदीप कुमार, भाजपा नेता प्रमोद सलूजा एडवोकेट, अलका शर्मा, आर्य समाजी धर्मेन्द्र बजाज, महेश नागपाल, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, निशी मोगिया, सुरेश सीकरी आदि मौजूद रहे।



रण

एक उम्मीद

# अमर भारती

## राम-भरत के जीवन से शिक्षा लेकर मजबूत हो भाई का रिश्ता : बोधराज

अमर भारती संवाददाता

**गुरुग्राम।** समाजसेवी बोधराज सीकरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सी ऐसी विडंबनाएं हो गई हों, जिनसे आपसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई है। भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे हैं। ऐसे समय में श्रीराम-भरत के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेकर भाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और प्रगाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मंगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान



चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा 244545 के पार हो चुका है। इस दौरान बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा,

संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

# गुड़गांव टुडे

## हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी : बोधराज सीकरी

हर धार्मिक आयोजन में युवाओं में संस्कारों की हों बातें।

युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाकर बचा सकते हैं अपनी संस्कृति।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

माजसेवी बोधराज सीकरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सी सौ सी विडंबनाएं हो गई हों, जिनसे आपसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई है। भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे हैं। ऐसे समय में श्रीराम-भरत के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेकर भाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और गाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही।

सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मंगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा 244545 के पार हो चुका है।

इस दौरान बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर



बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को

समझ सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले मां और जननी एक होती थी। जो जन्म

देती थी वही पालन करती थी। जिसके कारण बच्चे में मां के संस्कार अंकुरित होते थे। अब जननी और मां अलग-अलग हैं।

जननी वो जो बच्चे को जन्म देती है और मां वो जो बच्चे का पालन करती है। 21वीं सदी में आज के मां का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है। जिसके कारण बच्चों में उसी दाई-माई के संस्कार जाते हैं। युवा पीढ़ी का संस्कारवान न बनने का बड़ा कारण शिक्षा पद्धति भी रहा। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन

लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

नये भारत का अखबार



# गुड़गांव मेल

DAV Northern Rd., D.P.R. Haryana & Punjab & Eng. College

हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

## हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

### बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है - आँकड़ा हुआ 244545 के पार

बुधरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 26 जुलाई। कल रात 25 जुलाई राधा कृष्ण मंदिर, प्लॉट 15 पार्स - 1 गुड़गांव में राम धर्म मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राम मंदिर उप प्रधान, राजेश गर्ग म्हा जी और राजेश गर्ग फावल कले, जेपाप्राथ, अरवली वशिष्ठ, राचिव, टन डागर, संदीप सिंगल, भीम जी शर महल कले, रवेला गोसाईं आदि मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संस्कारण करके से ज्ञानोत्सव करवाया जिसकी मुहिम प्रसारण के जाने जाने समाजसेवी और योग्यता ने पिछले पाँच महीने से जो है।

गौड़ गोसाईं, श्री बोधराज सीकरी के आलोकन के साथ ही प्रयास गद्दी से श्रीमतीमण, लय, सुर और स्वर का सम्बन्ध के साथ संसुट लगाकर लोगों को दिल पर एक असर हो रहा सीकरी। पौष-बौध में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने भी संसुट लगाकर अपनी उपस्थिति पर लोगों के मन को आ। अतीव पौषार्द्र पर सभी साधक म उठे और मंदिर का प्रयोग कृत्यमय ग गहा।

उसके उपरोक्त बोधराज सीकरी ने अपने अपे के करवाते में विशेष पर पूजा पीढ़ी को संस्कारण करने कर चल दिया। उन्होंने बताया कि



हनुमान चालीसा पाठ के उपरोक्त हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, कुसरी काब ने अष्टक कर्वा लिरा, हनुमान चालीसा पाठ में चालीसा चौपाई ही कर्वा लिरा, गुरु ग्रंथ साहित्य का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीसा चौपाई का क्या अधिप्राय है। इसी प्रकार नववा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलने को दी, उसको ग्लग्या, अष्ट सिद्धि और नव विधि की विवेचन कर लोगों का मन मोह लिया।

राम भरा के सम्बन्ध का इलाका दे आज के परिवेध में भाई-भाई के रिसे सुधारने पर चल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार रिश, संस्कार, संगीत, एकता और सान्नात यह पौष मंत्र आज के युवा के अंदर परिलोकन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार को नीब पर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा

योगदान होता है।

पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके कारण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी को जो बच्चे को जन्म दे और माँ को जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का टोल टाई, माई, मैड और नेनी निभाती है जिसके कारण बच्चे के अंदर उसी टाई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारण न



बनने का था रिश पढ़ती। बोधराज सीकरी के अनुसार बर्तमान संस्कार ने रिश पढ़ती में परिलोकन लकर अपने वाली पीढ़ी के रिश न्याय किया है।

अतः मैं बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जो को रिश आशीर्षन भक्ति करने के पद भक्त का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं।

अन कल रघुवर पुर जाई, जहाँ जन्म हरि भक्त कहाई॥

हनुमान जी भक्ता अत कल में कहलवये। पिछले मंगलवार तक 38 स्थलों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल को साधकों को संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके

आँकड़िक प्रतः पूजाघर पार्क सुलौ लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पौष-पौष बार पाठ किया और शाम को जापपुर शिव मंदिर, ईस्ट अरि किलास, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पौष-पौष बार पाठ किया। इन तीनों स्थलों को कुल पाठ को संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक को संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ को मुहिम में भाग ले चुके हैं।

मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने अतीव संबोधन में सभी कर, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया जो सभी भोजन प्रसन्न



प्राप्त कर के जाए।

गणमन्व व्यक्तियों में जिन्होंने इस अवसर में अपनी हाजिती भरी उनमें ईशिक जगलन अरुणवार के मुख्य संवादक श्री अदित्य शी, डॉ परमेश्वर अरोड़ा (अधुदैद आचार्य और योग्याचार्य) और समाजसेवी, मुख्यम के पुराने बोधराज नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी श्री लिलक राज मल्लोत्र, ओप स्पैर के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कशुगिया, पंजाबी विवाहरी महा संगठन के फाउंडर टुटी श्री संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी श्री प्रवीर सलुजा एडवोकेट, आर्य समाज के सर्व प्रियेद बजाज सहपतीक पर्याय थे। बर्षोवूट श्री मो.जी मनप्रीत, श्री कैटरीय सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष श्री एर.के सुक्तर अपनी टीम, श्री राम लाल

शोकर व श्री किशोरी दुदेंज के साथ उपस्थित रहे। समाजसेवी रमेश मुंजाल, रमेश कापूर, श्री.पी कालरा, सातवाल नारा, अनिल कुमार, वासुदेव शोकर, जय दयाल कुमार, हेमंत मोगिया, ओम प्रकाश गांधा, द्वारका साध मन्कट्ट, लोकिश चौधरी, विनय चर्मा, संजय टंडन, अमित गंधीर, मईश नागपाल, उपस्थित रहे।

श्री हरमक से वैष्णोदेवी मंदिर को संयोजिका पूजन माता जी को चिटिया, अलका शर्मा जो ज्योतिष में और वल्लु कला में माहिर हैं, पूरा समय उपस्थित रही।

महिला वर्ग से ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नारा, शोभा कपूर, निशी मोगिया, सुरेश सीकरी ने अपनी परिभाषक उपस्थिति भरी।

# राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# ओपन सार्च

TITLE CODE :- HARHIN11545

✉ email.com 📱 Facebook 🌐 Home Page Facebook.com/homepageharhinarh

## बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है : आंकड़ा हुआ 2,44,545 के पार

**हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी**

**ओपन सार्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज**

**गुरुग्राम।** कल मंगलवार 25 जुलाई राध कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगल, राज पादव उप प्रधान, राजेश गुन मला मेरी और राजेश गर्ग धारल वाले, कोषाध्यक्ष, अरुणो खरिपट, सविन, परम डागर, संदीप सिंगल, भीम जी जेवर महल वाले, रजेश गोसाईं आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सांस्कृतिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।

श्री गजेंद्र गोसाईं, श्री बोधराज सीकरी के चाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगल ने भी संपुट लगाकर अपनी दृष्टिमूर्ति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झुम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।

उसके उपरान्त बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के कालव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवाचन बचाने पर बल दिया।



उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरान्त हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाईं ही क्यों लिखीं, गुरु ग्रंथ महिना का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाईं का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवका ध्वनि, जो भगवान राम ने भीमनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव विधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम भरत के मर्मबंध का हवाला दे आज के परिप्रिय में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिशु, संस्कार, संगति, एकता और मायाता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार को नीबू पर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का फूल चढ़ा योगदान होता है।

फहले मौं और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके करण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी जो जो बच्चे को जन्म दे

और माँ जो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल नहीं, माई, मेड और नेनी निभाती है जिसके कारण बच्चे के अंदर उसी आई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवाचन न बनने का जो शिक्षा पद्धति। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर अपने चालीस चौपाईं के लिए व्यय किया है।

अंत में जो थ रा ज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद "भक्त" का पद मिला और हम सब हनुमान चालीसा पठ पढ़कर भक्त बहलना चाहते हैं। "अन काल रघुबर पुर जाई, जहाँ जन्म हरि भक्त कहलई" हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये। पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिनमें 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः

फलावर पाके सुराहत लोक , जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने बीच-बीच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, इस्ट ऑफ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने बीच-बीच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई।

पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 की जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं। मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगल ने अंतिम संबोधन में सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भीजन प्रसाद ग्रहण कर के जाएं।

**हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी है : बोधराज सीकरी**

गणमाय्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाथिरी भरी उनमें दैनिक जागरण अखबार के मुख्य संपादक श्री आदित्य राय, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने सीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी श्री तिलक राज मल्लोत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कशुपूर, पंजाबी विद्यार्थी महा संगठन के फाउंडर रूट्टी श्री संदीप कुमार, सीजेपी के नेता और समाजसेवी श्री प्रदीप सलुजा एडवोकेट, आर्य समाज के रंजित धर्मेश बजाज सहपत्नीक पवारो थे। जयदेव ओ मो, श्री मनचंद, श्री कैटरीय सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष श्री एच के खुल्लार अपनी टीम, श्री राम लाल श्रेष्ठ व श्री किशोरी बुट्टेवा के साथ उपस्थित रहे। समाजसेवी रमेश मंगल, रमेश कामर, ओ.पी कालरा, सतपाल नास, अनिल कुमार, वासुदेव श्रेष्ठ, जय दयाल कुमार, हेमंत मोंगिया, ओम प्रकाश नास, डारका नाथ चक्रवर्ती, लीकेश भीधरी, विनय चर्पा, संकाय टेंडन, अमित मधीर, मोहन नागपाल, उपस्थित रहे। गऊ हररसक से वैष्णोदेवी मंदिर की संयोजिका पुनम माता जो की विद्या, अलका शर्मा जो ज्योतिष में और वस्तु कला में माहिर है, पूरा समय उपस्थित रही।

महिला वर्ग से ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नास, सीमा कपूर, निती मोंगिया, सुरेश सीकरी ने अपनी परिभाषा उपस्थिति भरी।



# रण टाइम्स

**बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है - आँकड़ा हुआ 244545 के पार**

○हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए: बोधराज सीकरी

○हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी है: बोधराज सीकरी

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)।

राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम् डागर, संदीप सिंगल, भीम जी जेवर महल वाले, राकेश गोसाईं आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है। श्री गजेंद्र गोसाईं, श्री बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर



एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत

हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया।

## हरियाणा की आवाज़

# राम-भरत के जीवन से शिक्षा लेकर मजबूत हो भाई का रिश्ते : बोधराज सीकरी

युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाकर बचा सकते हैं अपनी संस्कृति



**गुरुग्राम।** समाजसेवी बोधराज सीकरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सी ऐसी विडंबनाएं हो गई हैं, जिनसे आपसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई है। भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे हैं। ऐसे समय में श्रीराम-भरत के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेकर भाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और प्रगाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने हनुमान चालीसा पाठ की

मुहिम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही।

सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मंगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का

सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा 244545 के पार हो चुका है। इस दौरान बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने

कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले मां और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी। जिसके कारण बच्चे में मां के संस्कार अंकुरित होते थे। अब जननी और मां अलग-अलग हैं। जननी वो जो बच्चे को जन्म देती है और मां वो जो बच्चे का पालन करती है। 21वीं सदी में आज के मां का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है। जिसके कारण बच्चों में उसी दाई-माई के संस्कार जाते हैं। युवा पीढ़ी का संस्कारवान न बनने का बड़ा कारण शिक्षा पद्धति भी रहा। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित



# पार्याणियर

## राम-भरत के जीवन से शिक्षा लेकर मजबूत हो भाई का रिश्ते : बोधराज सीकरी

हर धार्मिक आयोजन में युवाओं में संस्कारों की हों बातें

युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाकर बचा सकते हैं अपनी संस्कृति

पार्याणियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सी ऐसी विडंबनाएं हो गई हैं, जिनसे आपसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई है। भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे हैं। ऐसे समय में श्रीराम-भरत के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेकर भाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और प्रगाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही।

सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मंगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा



गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ में भाग लेते बोधराज सीकरी व अन्य।

मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा

244545 के पार हो चुका है।

इस दौरान बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। उन्होंने कहा कि

संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले मां और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी। जिसके कारण बच्चे में मां के संस्कार अंकुरित होते थे। अब जननी और मां अलग-अलग हैं। जननी वो जो बच्चे को जन्म देती है और मां वो जो बच्चे का पालन करती है। 21वीं सदी में आज के मां का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है। जिसके कारण बच्चों में उसी दाई-माई के संस्कार जाते हैं। युवा पीढ़ी का संस्कारवान न बनने का बड़ा कारण शिक्षा पद्धति भी रहा। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

# बुलंद खोज

संपादक : गजेन्द्र कुमार  
फ़ोन : 911008297112

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

## हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए है संजीवनी - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। सैक्टर 15 पार्क वन स्थित श्रीरक्षा कृष्ण मंदिर में मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर समिति के प्रधान विनय मंगला, उप प्रधान राज यादव, महामंत्री राजेश गर्ग और राजेश गर्ग, कोषाध्यक्ष, अधिनी वशिष्ठ, सचिव, पदम ड्यगर, संदीप सिंगल, भीमसेन, राकेश गोसाईं आदि ने भाग लिया। गजेन्द्र गोसाईं ने संगीतय शैली में हनुमान चालीसा का पाठ कराया। मुहिम के संयोजक व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने लोगों को विशेषकर युवाओं को संस्कारवान बनने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाईं ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि की कि चालीस चौपाईं का क्या अर्थप्रणय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीमानी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निर्धि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता



कार्यक्रम में शामिल आयोजक व अन्य।

यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। संस्कार को नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा कि पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही फलन करती थी जिसके कारण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है।

जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है जिसके कारण बच्चे के अंदर उसी दाई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति।

बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के

लिए न्याय किया है। सीकरी ने बताया कि पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 2 लाख 40 हजार 620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15 हजार 100 साधक भाग ले चुके हैं। कल मंगलवार को साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रात-पूजापर पार्क सुरांत लोक में 15 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ

केलाश में 35 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं। प्रधा विनय मंगला ने बोधराज सीकरी के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर आदित्य राय, आयुर्वेदाचार्य डा. परमेश्वर अरोड़ा, तिलक राज मल्लोत्रा, ओम स्वीट्स के डायरेक्टर ओम प्रकाश कपूरिया, पंजाबी बिरादरी महासंगठन के फाउंडर ट्रस्टी संदीप कुमार, भाजपा नेता प्रमोद सलूजा एडवोकेट, अलका शर्मा, आर्य समाजी धर्मेन्द्र बजाज, सीबी मनचंदा, केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के अध्यक्ष एसके खुल्लर, रामलाल श्रॉवर, किशोरी डुडेजा, रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओपी कालग, सतपाल नासा, अनिल कुमार, वासुदेव श्रॉवर, जय दयाल कुमार, हेमंत मोगिया, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मकड़, लोकेश चौधरी, विनय बर्मा, संजय टंडन, अमित गंभोर, महेश नागपाल, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, निशी मोगिया, सुरेश सीकरी आदि मौजूद रहे।

# देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

## बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है - आँकड़ा हुआ 244545 के पार

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। कल मंगलवार 25 जुलाई राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम् डागर, संदीप सिंगल, भीम जी जेवर महल वाले, राकेश गोसाईं आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।

गजेन्द्र गोसाईं, बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी



से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर

सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया। उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान

अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

कुआं से मानेसर तक एलिवेटेड रोड के लिए 2 माह में होगा कंसलटेंट नियुक्त : राव इंद्रजीत

खबरों की

## हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए है संजीवनी: बोधराज

दैनिक भरोसा मित्र / एमके अरोड़ा  
ब्यूरो चीफ

गुरुग्राम। सैक्टर 15 पार्ट वन स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर में मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर समिति के प्रधान विनय मंगला, उप प्रधान राज यादव, महामंत्री राजेश गर्ग और राजेश गर्ग, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीमसेन, राकेश गोसाईं आदि ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाईं ने संगीतय शैली में हनुमान चालीसा का पाठ कराया। मुहिम के संयोजक व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने लोगों को विशेषकर युवाओं को संस्कारवान बनने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस



चौपाई ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहिब का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि की कि चालीस चौपाई का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है।

# दैनिक मेवात

बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है - आँकड़ा हुआ 244545 के पार

## हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

- दैनिक मेवात संवाददाता  
 गुरुग्राम। कल भक्तवत्सल 25 सुन्दर राघव कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 फ्लॉट - 1 गुरुग्राम में शाम 5: बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगल, राम चंद्रन उप प्रधान, गणेश नारायण महा मंत्री और गणेश नारायण चान्तल वाले, कोपायध, अश्वती मरिच, सचिव, पदम् अग्र, संदीप मिश्र, भीम जी नेत्र महल वाले, गणेश गोस्वामी अदि ने मिलकर धन्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आरंभ करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच बरसों से की हुई है। श्री ब्रजेश गोसाय, श्री बोधराज सीकरी के आध्यक्षता के साथी ने अलग गरी में संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लखकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगल ने भी संपुट लखकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम पौर्णमासी पर सभी सपथक जुन जो और मंदिर का प्राणक नृत्यमय हो गया। उसके उपरान्त बोधराज सीकरी ने अपने अपने घरों के वातावरण में विशेष कर पुस्तक पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि



हनुमान चालीसा पाठ के उपरान्त हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी जन्म ने आठ कवियों लिखा, हनुमान चालीसा पाठ में चालीस पौरुषों हो क्यों लिखी, मूल ग्रंथ साहिब का इस्तेमाल देते हुए उसके पुष्टि करी की चालीस पौरुषों का क्या महिमा है। इसी प्रकार लखार पाठ, जो भगवान राम ने बोलने को प्ये, उसको जगदग, अष्ट सिद्धि और सब विधि को विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया।

एक पाठ के सम्बंध का उदाहरण दे आठ के परिचय में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, योगिता, एकता और आस्था यह पाँच संत आठ के गुण के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और गुण पाठ के प्रति अपने-अपने कर्तव्य परापूर्वता को समझ सकता

है। बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार को नीचे धार पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निर्लज आजीवन भक्ति करने के बाद 'बस' का पद मिला और हम धार हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं। अगर बसल लखार मूर भाई, जहाँ धर्म हरि भक्त कहलई : हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाने पिछले संवत्सवार तक 38 जयानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिनमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों को संख्या 175 की तिथिनि 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त इस: फुलवार भाई सुशंत लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप

है, जहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और काम को जायपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 25 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों को कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले साल तक को संख्या 240620 को जोड़कर अब एक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ को मुहिम में भाग ले चुके हैं।

मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगल ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया कि सभी भोजन प्रसाद छोड़ कर के जाएं। गणमान्य व्यक्तियों में तिथिनि इस आशेवन में अपनी

हानिती परो जमें दैनिक जागल अग्रवर के मुला संपादक श्री आदित्य टॉप, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद अचार्य और योगाचार्य) और जगजगदीश, गुरुग्राम के पुजारे बोनेपी नेत्र और बोधराज सीकरी के सहपाठी श्री विरलक राम मल्लोत्र, जिन स्वीट के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कचुरिया, पंचाजी निरदरी महा संगठन के फार्मटर टूटी श्री संदीप कुमार, बोनेपी के गंगा और समाजसेवी श्री इमोए सतुवा एलवीकेट, जय संमान के स्तंभ समिष्ट बजाव सहपथीक पपारे थे। सनेवुट श्री म्हे.जी मनसंठ, श्री संदीप मनसंठ धर्म संधा के अध्यक्ष श्री एस.के सुखर अपनी टॉप, श्री राम तात अग्र व श्री किरतोरे सुटेजा के साथ उपस्थित रहे। समाजसेवी रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओ पी कालरा, सतपाल नाथ, अमित कुमार, जसुरेव खेवर, जन दयाल कुमार, हेमंत मोंगिया, ओम प्रकाश राय, इरका नाथ मकड़, लोकेश चौधरी, विनय बर्मा, संजय टंडन, अमित गंधीर, मोहन राजपाल, उपस्थित रहे। गरी हरदक से सनेवुटोरो मंदिर को संगीतमय पुनम सला परो को बिटिया, अलाका रामा जो न्योतिप में और जसु कला में मंदिर है, पूरा समय उपस्थित रही। भीमा कपूर, निशी मोंगिया, सुरेश सीकरी ने अपनी गीतवृत्त उपस्थिति भरी।

दैनिक

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

# उजाला आज तक

## बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है - आँकड़ा हुआ 244545 के पार

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक

गुरुग्राम। कल मंगलवार 25 जुलाई राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट - 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पद्म डागर, संदीप सिंगल, भीम जी जेवर महल वाले, राकेश गोसाईं आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है

गजेंद्र गोसाईं, बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी



पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाईं ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहित्य का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाईं का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया।

राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है।

पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके करण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है जिसके करण बच्चे के अंदर उसी दाई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का

संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद "भक्तह्व का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं।

ह्रान्त काल रघुवर पुर जाई, जहां जन्म हरि भक्त कहाईह्व॥ हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये।

पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधकों का संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः प्रलायर पार्क सुशांत लोक,

जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं।

मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के जाएं। गणमान्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाजिरी भरी उनमें दैनिक जागरण अखबार के मुख्य संपादक आदित्य राँय, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने बीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष ओम प्रकाश कथूरिया, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के फाउंडर ट्रस्टी संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी प्रमोद सलूजा एडवोकेट, आर्य समाज के स्तंभ धमेंद्र बजाज सहपत्नीक पधारे थे।



# भारत सारथी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है, आँकड़ा हुआ 244545 के पार

## हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, का भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

**भारत सारथी**  
**गुरुग्राम।** मंगलवार 25 जुलाई को राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 फार्ट-1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अरवली वशिष्ठ, सचिव, परम डागर, संदीप सिंगल, भीम जैवर महल वाले, राकेश मोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का खूबसूरत संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है। सर्वेद मोसाई, बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने व्यास गरी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संगुट स्थावर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने भी संगुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को सुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्रांगण नृत्यमय हो गया।  
 उसके उपरान्त बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को

### हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए सजीवनी है : बोधराज सीकरी

संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरान्त हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमान चालीसा पाठ में चालीस चौपाईं ही क्यों लिखीं, गुरु ग्रंथ साहित्य का हवाला देने हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाईं का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने धौलती को दी, उसकी ख्याला, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम धरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भ्राई-भ्राई के रिस्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परबलता को समझ सकता है।  
 बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव पर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा



योगदान होता है। पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, माई, मेठ और नेनी निभाती है जिसके कारण बच्चे के अंदर उसी दाई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का भा शिक्षा पढ़ाई। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पढ़ाई में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन ध्यान करने के बाद भक्त का पर मिला और हम सब हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं। अन्त काल रघुवर पुर जाई, जहाँ जन्म हरि भक्त कहाई।  
 हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये। पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिनमें 21-21

बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः फूलार पार्क सुशांत लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के जाएं।  
 गणमान्य व्यक्तियों में जिनमें इस आयोजन में अपनी हार्दिक भरी उनमें दैनिक जागरण अखबार के मुख्य संपादक आदित्य राँच, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने

बोडिंगी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी तिलक राज मल्लोत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष ओम प्रकाश कभुरिया, पंचाथी विरारती महा संगठन के फाउंडर टुस्टी संदीप कुमार, बोडिंगी के नेता और समाजसेवी प्रमोद खलुजा एडवोकेट, आर्य समाज के स्तंभ धर्मद बजाज सहाय्यक पधार्य थे। वयोवृद्ध सोधी मनमंदा, केट्रीप सवालत धर्म सभा के अध्यक्ष एरके खुल्लर अपनी टीम, रामलाल घोषर व किशोरी डुडेता के साथ उपस्थित रहे।  
 समाजसेवी रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओपी कालरा, सहायल नासा, अनिल कुमार, सखुदेव घोषर, जय दयाल कुमार, हेमंत सोनिया, ओम प्रकाश गाथा, इरका नाथ मक्कड़, लोकेश चौधरी, विनय चर्मा, संजय टंडन, अमित गुंभीर, भद्रेश नागपाल, उपस्थित रहे। गद्दी हरसरु से वैष्णोदेवी मंदिर की संयोजिका पूनम माता जी की बिटिया, अलका शर्मा जी ज्योतिष में और बन्तु कला में माहिर हैं, पूरा समय उपस्थित रही। महिला वर्ग से ज्योतिष चञ्जाव, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, निती सोनिया, सुरेश सीकरी ने अपनी गार्मामुक्त उपस्थिति भरी।

# हनुमान इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है, आँकड़ा हुआ 244545 के पार

## हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, का भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

● हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए संजीवनी है : बोधराज सीकरी

हनुमान इंडिया/ब्युरो

गुरुग्राम। मंगलवार 25 जुलाई को राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट-1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान विनय मंगला, राजेश शर्मा उपाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, अचिब, पदम डायर, संदीप सिंगल, ओम जेवर महल वाले, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक आयोजन किया। गीतमय तरीके से आयोजन कराया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के अने माने समाजसेवी और धर्मगुरु ने पिछले पाँच महीने से चला रहे हैं। गजेंद्र गोसाई, बोधराज सीकरी के बाल्यकाल के साथी ने श्रम गद्दी से संगीतमय, लय, सुर और स्वर का समन्वय के साथ संपुट लगाकर लोगों के दिल पर गहरा अलम ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने भी संपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को आराम दी। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का वातावरण नृत्यमय हो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा

पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाईं ही क्यों लिखीं, गुरु ग्रंथ साहित्य का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौपाईं का क्या अभिप्राय है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीलनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह लिया। राम भरत के सम्बंध का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बल दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है।

बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके कारण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है। जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल दाई, माई, मेड और नैनी निभाती है जिसके कारण बच्चे के अंदर उसी दाई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने



वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद भक्त का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं। अन्त काल रघुबर पुर जाई, जहाँ जन्म हरि भक्त कहाई ॥

हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये। पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः फुलावर पार्क सुशांत लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान

के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया। इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के

जाएँ। गणमान्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाजिरी भरी उनमें दैनिक जागरण अखबार के मुख्य संपादक आदित्य राय, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने बीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष ओम प्रकाश कथुरिया, पंजाबी विरादरी महा संगठन के फाउंडर ट्रस्टी संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी प्रमोद सलूजा एडवोकेट, आर्य समाज के स्तंभ धर्मेन्द्र बजाज सहपत्नीक पधारे थे। वयोवृद्ध सीबी मनचंदा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष एसके खुल्लर अपनी टीम, रामलाल ग्रोवर व किशोरी हुड्डेजा के साथ उपस्थित रहे।

समाजसेवी रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, ओपी कालरा, सतपाल नासा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, जय दयाल कुमार, हेमंत मोंगिया, ओम प्रकाश गावा, द्वारका नाथ मक्कड़, लोकेश चौधरी, विनय बर्मा, संजय टंडन, अमित गंभीर, महेश नागपाल, उपस्थित रहे। गद्दी हरसरू से वैष्णोदेवी मंदिर की संयोजिका पूनम माता जी की विटिया, अलका शर्मा जो ज्योतिष में और वस्तु कला में माहिर हैं, पूरा समय उपस्थित रही। महिला वर्ग से ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सीमा कपूर, निशी मोंगिया, सुरेश सीकरी ने अपनी गरिमायुक्त उपस्थिति भरी।

# ज्योति दर्पण

Website : [www.jyotidarpan.com](http://www.jyotidarpan.com)

हिन्दी दैनिक

## राम-भरत के जीवन से शिक्षा लेकर मजबूत हो भाई का रिश्ते: बोधराज सीकरी

-हर धार्मिक आयोजन में युवाओं में संस्कारों की हों बातें  
-युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाकर बचा सकते हैं अपनी संस्कृति

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सी ऐसी विडंबनाएं हो गई हैं, जिनसे आपसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई है। भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे हैं। ऐसे समय में श्रीराम-भरत के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेकर भाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और प्रगाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मंगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा 244545 के पार हो चुका है। इस दौरान बोधराज



सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले मां और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी। जिसके कारण बच्चे में मां के संस्कार अंकुरित होते थे। अब जननी और मां

अलग-अलग हैं। जननी वो जो बच्चे को जन्म देती है और मां वो जो बच्चे का पालन करती है। 21वीं सदी में आज के मां का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है। जिसके कारण बच्चों में उसी दाई-माई के संस्कार जाते हैं। युवा पीढ़ी का संस्कारवान बनने का बड़ा कारण शिक्षा पद्धति भी रहा। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

### बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है : आँकड़ा हुआ 2, 44, 545 के पार

हनुमान अष्टक, जो आठ पदों का समूह है, भी स्वाध्याय करना चाहिए : बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा मानव जाति के लिए सजीवनी है : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। कल रात लगभग 25 गुणार्थ राज कृष्ण मठ, सेक्टर 15 फार्म - 1 गुरुग्राम में एक रात करने मठ के प्रधान श्री विनय मंगला, राज कण्ठ उप प्रधान, रामेश वर्मा महा सचिव और रामेश वर्मा प्राकृत वाले, कोषाध्यक्ष, अधिवी सचिव, सचिव, पदम झाबर, संदीप सिंघान, भीम नौ जेठ मठल वाले, राजेश मोहन आदि में मिलकर 8000 हनुमान चालीसा पाठ का सांस्कृतिक कार्यक्रम रात्री के से आयोजन कार्यक्रम निरवधि मुद्रिम गुरुग्राम के माने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।



श्री रामेश मोहन, श्री सोहन लोकाठी के कार्यक्रम के सभी ने कल रात से सांस्कृतिक, रस, सुत और अष्ट कर समनय के साथ संपुट लोकाठी लोगों के दिल पर एक अलग ही रास छोड़ी। बीच-बीच में मठ के प्रधान श्री विनय मंगला ने भी संपुट लोकाठी अपनी उपस्थिति बंद लोगों के मन को हुआ अतिम चौधरी पर सभी साधक हुए जो और मठ के प्रधान कृष्णमन हो गया।

उसके उपरांत सोहन लोकाठी ने अपने अपने घंटे के समय में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारदान करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी कावा में अष्टक रचो लिखा, हनुमान चालीसा पाठ में चालीस चौधरी ही रचो लिखी, गुरु ग्रंथ साहित्य का हवाला देते हुए उसकी पुष्टि करी की चालीस चौधरी सब क्या अनिष्ट है। इसी प्रकार साधा भक्ति, भी मंगलान राम ने भीलजी को भी, उसकी कथा, अष्ट सिद्धि और गुरु सिद्धि की विशेषता कर लोगों का मन मोह लिया।

राम भद्र के समग्र कर हवाला है आज के परिवेश में भाई-भाई के दिवो सुखने पर बल दिया सोहन लोकाठी के कथन अनुसार विद्या, संस्कार, सचि, एकता और मानवता गुरु पाँच सब आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य पहचानता को समझ सकता है।

सोहन लोकाठी के अनुसार संस्कार की नींव पर ही सब चीजें हैं जिसके लिए साधक कर बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले मैं और जगदीश एक होनी थी। जो जन्म देती थी वह पालन करती थी जिसके कारण बच्चे में मैं के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जगदीश अलग है और मैं अलग है। जगदीश को जो बच्चे को जन्म दे और मैं को जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में मैं सब दोल दाई, सदाई, सेठ और गैरी निभाती है जिसके कारण बच्चे के अंदर उसी दाई सदाई के संस्कार होते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारदान न करने का है जिस पर शक्ति। सोहन लोकाठी के अनुसार वर्तमान संस्कार में सिद्धि पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के दिल लया किया है।

आज में सोहन लोकाठी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद 'भक्त' का पद मिला और इन सब हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं।

**"अन्ध काल सुखर पूर पाई, महा जन्म हरि भक्त कहाई"**  
हनुमान जी भक्त आ काल में कहलाने।

पिछले सातवां रात 38 सत्रों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसके लगभग 85000 साधक भाग ले चुके हैं। कल की सांस्कृतिक की संख्या 175 थी जिसमें 21-21 वाट पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रा. परावर पार्क सुभास लोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच वाट पाठ किया और आज का नामपूर सिंह मठ, ईस्ट ओर कैलाश, वहाँ के सोहन लोकाठी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच वाट पाठ किया। इन तीनों सत्रों की कुल पाठ की संख्या 8925 हुई। पिछले सातवां रात की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 सत्र पर हनुमान चालीसा पाठ की मुद्रिम में भाग ले चुके हैं।

मठ के प्रधान श्री विनय मंगला ने अतिम संकोचन में सभी का, विशेष कर सोहन लोकाठी और उनकी टीम का 30मंठ प्रकट किया और सभी से अपेक्ष किया की सभी सोहन प्रकट प्रकट कर के जाए।

गुरुग्राम सचिमें ने जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हस्ति भरी उनमें वैजिक माधव अडवाट के मुख्य सहायक श्री अदिल रॉय, डॉ. परमेश्वर अदोरा (अधुनक आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने सीनेपी नेतृ और सोहन लोकाठी के सहायक श्री विनय राज मण्डल, ओम राठी के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कर्पूरिया, पंचायी निराहरी महा संपन्न के पांडव इंदरी श्री संदीप कुमार, सीनेपी के नेतृ और समाजसेवी श्री प्रदीप साहूना उद्योगपति, अरुं समाज के सचिव मनेश कान्त साहूवादी श्री कपोलेश्वर श्री सी.पी. जयशंकर, श्री केटीय समाज धर्म सभा के अध्यक्ष श्री एनके साहूना अपनी टीम, श्री राम राज मोहन व श्री किशोरी हुंजा के साथ उपस्थित रहे। समाजसेवी रमेश कुमार, रमेश कामरा, जी.पी. कालकर, सतपाल साहा, अनिल कुमार, कस्तुरी मोहन, जय रामेश कुमार, हेमंत सोनिया, ओम प्रकाश साहा, इंदरज नाथ साहूवादी, लोकाठी चौधरी, विनय वर्मा, संजय टटन, अनिल गमाई, सहेत नागपाल, उपस्थित रहे।

वहीं दूसरों से कैलाशेरी मठ की सरोजिनीय पूजन साहा जी की शिष्टिम, अरुण राजा जो न्यायिक में और सतु कथन में सहित है, पूरा समय उपस्थित रही। महिला वर्ग में जयोत्सना कान्त, राजा कान्त, पुषा साहा, सीमा कपूर, मीरा सोनिया, सुरेश सीकरी ने अपनी परिभाषित उपस्थिति भरी।

**राम-भरत के जीवन से शिक्षा  
लेकर मजबूत हो**

## **भाई का रिश्ता** : बोधराज सीकरी



हनुमान चालीसा पाठ में भाग लेते बोधराज सीकरी व अन्य।

**राकेश गर्ग**

**गुरुग्राम।** समाजसेवी बोधराज सीकरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सी ऐसी विडंबनाएं हो गई हों, जिनसे आपसी रिश्तों में कड़वाहट आ गई है। भाई-भाई दुश्मन बनकर बैठे हैं। ऐसे समय में श्रीराम-भरत के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेकर भाईयों के बीच रिश्ते मजबूत और पगाढ़ होने चाहिए। यह बात उन्होंने हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही।

सेक्टर-15 पार्ट-1 स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में प्रधान विनय मंगला, राज यादव उपप्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम, राकेश गोसाई आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया। सीकरी की ओर से यह मुहिम पिछले 5 महीने से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम निरंतर बढ़ रही है। इसका आंकड़ा 244545 के पार हो चुका है।

इस दौरान बोधराज सीकरी ने अपने आधे घंटे के वक्तव्य में

युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पांच मंत्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं। युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य परायणता को समझ सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है, जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले मां और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी। जिसके कारण बच्चे में मां के संस्कार अंकुरित होते थे। अब जननी और मां अलग-अलग हैं। जननी वो जो बच्चे को जन्म देती है और मां वो जो बच्चे का पालन करती है। 21वीं सदी में आज के मां का रोल दाई, माई, मेड और नेनी निभाती है। जिसके कारण बच्चों में उसी दाई-माई के संस्कार जाते हैं। युवा पीढ़ी का संस्कारवान बनने का बड़ा कारण शिक्षा पद्धति भी रहा। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है। मंदिर के प्रधान विनय मंगला ने सभी का विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया।

## Bodhraj Sikri की हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा हुआ 244545 के पार

VIRAL SACH July 26, 2023 No Comments 5 minute read



**Viral Sach : Bodhraj Sikri – 25 जुलाई राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 15 पार्ट – 1 गुरुग्राम में शाम छः बजे मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला, राज यादव उप प्रधान, राजेश गर्ग महा मंत्री और राजेश गर्ग चावल वाले, कोषाध्यक्ष, अश्वनी वशिष्ठ, सचिव, पदम डागर, संदीप सिंगल, भीम जी जेवर महल वाले, राकेश गोसाईं आदि ने मिलकर भव्य हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक संगीतमय तरीके से आयोजन करवाया जिसकी मुहिम गुरुग्राम के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति ने पिछले पाँच महीने से की हुई है।**

श्री गजेन्द्र गोसाईं, श्री बोधराज सीकरी के शास्त्राचार्य के साथी ने व्यास गढ़ी से संगीतमय, तप, सुर और स्वर का समन्वय के साथ सपुट लगाकर लोगों के दिल पर एक अलग ही छाप छोड़ी। बीच-बीच में मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने भी सपुट लगाकर अपनी उपस्थिति भर लोगों के मन को छुआ। अंतिम चौपाई पर सभी साधक झूम उठे और मंदिर का प्राणम नृत्यमय हो गया।

उसके उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने आँधे छंद के बलबल में विशेष कर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने पर बत दिया। उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत हनुमान अष्टक भी पढ़ना चाहिए, तुलसी बाबा ने अष्टक क्यों लिखा, हनुमंत चालीसा पाठ में चालीस चौपाईं ही क्यों लिखी, गुरु ग्रंथ साहित्य का हवाला देते हुए उसकी पुरि करी की चालीस चौपाईं का क्या अर्थिपण है। इसी प्रकार नवधा भक्ति, जो भगवान राम ने भीतनी को दी, उसकी व्याख्या, अष्ट सिद्धि और नव निधि की विवेचना कर लोगों का मन मोह दिया।

राम भरत के संस्थ का हवाला दे आज के परिप्रेक्ष्य में भाई-भाई के रिश्ते सुधारने पर बत दिया। बोधराज सीकरी के कथन अनुसार शिक्षा, संस्कार, संगति, एकता और मान्यता यह पाँच मात्र आज के युवा के अंदर परिवर्तन ला सकते हैं और युवा राष्ट्र के प्रति अपनी कर्तव्य पराधनता को समझ सकता है।

बोधराज सीकरी के अनुसार संस्कार की नींव घर पर रखी जाती है जिसके लिए माता का बहुत बड़ा योगदान होता है। पहले माँ और जननी एक होती थी। जो जन्म देती थी वही पालन करती थी जिसके कारण बच्चे में माँ के संस्कार अंकुरित होते थे परंतु अब जननी अलग है और माँ अलग है।

जननी वो जो बच्चे को जन्म दे और माँ वो जो बच्चे को पाले। आज के जमाने में माँ का रोल टाई, माई, मेठ और नेनी निभाती है जिसके कारण बच्चे के अंदर उसी टाई माई के संस्कार जाते हैं। दूसरा कारण आज के युवा का संस्कारवान न बनने का था शिक्षा पद्धति। बोधराज सीकरी के अनुसार वर्तमान सरकार ने शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाकर आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय किया है।

अंत में बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान जी को निरंतर आजीवन भक्ति करने के बाद 'भक्त' का पद मिला और हम मात्र हनुमान चालीसा पाठ पढ़कर भक्त कहलाना चाहते हैं।

“अंत काल रघुबर पुर जाई, जहाँ जन्म हरि भक्त कहाई”।  
हनुमान जी भक्त अंत काल में कहलाये।

पिछले मंगलवार तक 38 स्थानों पर 240620 पाठ हो चुके थे जिसमें लगभग 15100 साधक भाग ले चुके हैं। कल की साधकों की संख्या 175 थी जिन्होंने 21-21 बार पाठ किया जिसका कुल 3675 पाठ हुआ। इसके अतिरिक्त प्रातः प्रतापदर पार्क सुशांत टोक, जो बोधराज सीकरी के निवास स्थान के समीप है, वहाँ 15 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया और शाम को जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश, जहाँ के बोधराज सीकरी प्रधान हैं, वहाँ 35 लोगों ने पाँच-पाँच बार पाठ किया।

इन तीनों स्थानों की कुल पाठ की संख्या 3925 हुई। पिछले सप्ताह तक की संख्या 240620 को जोड़कर अब तक कुल संख्या 244545 हुई। अभी तक 15325 साधक 39 स्थान पर हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम में भाग ले चुके हैं।

मंदिर के प्रधान श्री विनय मंगला ने अंतिम संबोधन में सभी का, विशेष कर बोधराज सीकरी और उनकी टीम का आभार प्रकट किया और सभी से आग्रह किया की सभी भोजन प्रसाद ग्रहण कर के जाए।

गणमान्य व्यक्तियों में जिन्होंने इस आयोजन में अपनी हाज़िरी भरी उनमें दैनिक जागरण अखबार के मुख्य संपादक श्री आदित्य राय, डॉ.परमेश्वर अरोड़ा (आयुर्वेद आचार्य और योगाचार्य) और समाजसेवी, गुरुग्राम के पुराने बीजेपी नेता और बोधराज सीकरी के सहपाठी श्री तिलक राज मल्होत्रा, ओम स्वीट के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कपूरिया, पंजाबी विराटरी महा संगठन के फाउंडर टून्टी श्री संदीप कुमार, बीजेपी के नेता और समाजसेवी श्री प्रमोद सलुजा एठबोकेट, आर्ट समाज के स्तंभ धर्मेश्वर बजाज सहपत्नीक पधारे थे। वयोवृद्ध श्री सी.बी मनचंदा, श्री केद्रीय समातन धर्म सभी के अध्यक्ष श्री एस के खुल्लर अपनी टीम, श्री राम तात प्रोवर व श्री किशोरी सुठेजा के साथ उपस्थित रहे। समाजसेवी रमेश मुजात, रमेश कामरा, ओ पी कालरा, सतपाल नासा, अनिल कुमार, वासुदेव प्रोवर, जय दयाल कुमार, हेमंत मोगिया, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, लोकेश चौधरी, विनय वर्मा, सजय टंडन, अमित गभीर, महेश नागपाल, उपस्थित रहे।

गढ़ी हरसरू से वैजोटेवी मंदिर की संपोजिका पुनम माता जी की विदिया, अलका शर्मा जो ज्योतिष में और वस्तु कला में माहिर हैं, द्वारा समय उपस्थित रही।

महिला वर्ग से ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, पुष्पा नासा, सोमा कपूर, निशी मोगिया, सुरेश सीकरी ने अपनी गरिमायुक्त उपस्थिति भरी।